भारत सरकार
रेल मंत्रालय

लोक सभा
03.12.2025 के
अतारांकित प्रश्न सं. 567 का उत्तर

केरल में ट्रेनों के ठहराव

567. श्री वी. के. श्रीकंदन:

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या दक्षिण रेलवे ने कोविड-19 के बाद कई ठहराव बंद कर दिए थे और अब केरल में ट्रेनों के लिए स्थायी अतिरिक्त ठहराव बहाल करने/अनुमति देने पर विचार कर रहा है और यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या राज्य में चलने वाली कम से कम एक दर्जन ट्रेनों को हाल ही में नए स्थायी ठहराव प्रदान किए गए हैं और यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या स्थायी अतिरिक्त ठहराव आवंटित करने में तेजी का कारण परिचालन कारणों के बजाय यात्रियों की मांग है और यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(घ) क्या प्रत्येक स्टेशन से प्राप्त राजस्व के आधार पर ठहराव प्रदान किया जाता है और यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है, तथा वे कौन से स्टेशन हैं जहाँ ठहराव बहाल किए गए हैं/अतिरिक्त स्थायी ठहराव की अनुमति दी गई है और इस श्रेणी में आते हैं?

उत्तर

रेल, सूचना और प्रसारण एवं इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री
(श्री अश्विनी वैष्णव)

(क) से (घ): कोविड-19 वैश्विक महामारी के प्रसार को रोकने के उद्देश्य से, भारतीय रेल ने 23 मार्च, 2020 से सभी नियमित यात्री रेलगाड़ियों का परिचालन बंद कर दिया था और केवल स्पेशल रेलगाड़ी सेवाएं ही परिचालित की जा रही थीं।

भारतीय रेल ने भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, मुंबई की सहायता से ठहरावों सहित वैज्ञानिक तरीके से समय-सारणी का यौक्तिकरण किया। यह प्रयास अन्य बातों के साथ-साथ अनुरक्षण कॉरिडोर ब्लॉक्स का निर्माण करके, बेहतर यात्री संरक्षा प्रदान करने, रेलगाड़ी सेवाओं की गति बढ़ाने और समयपालन में सुधार करने के लिए किया गया है। नवंबर 2021 से, एक्सप्रेस रेलगाड़ी सेवाएं युक्तिसंगत समय सारणी के अनुसार परिचालित की जा रही हैं।

केरल राज्य में स्थित विभिन्न स्टेशनों के यात्रियों की सुविधा के लिए, 2023-24 और 2025-26 (25 नवंबर, 2025 तक) की अवधि के दौरान 152 ठहराव प्रदान किए गए हैं।

इसके अतिरिक्त, रेलगाड़ी सेवाओं के ठहराव का प्रावधान यातायात औचित्य, परिचालनिक व्यवहार्यता सहित उस खंड में अतिरिक्त समय की उपलब्धता और प्लेटफार्म की लंबाई जैसी समान अवसंरचना की उपलब्धता पर निर्भर करता है जो एक सतत प्रक्रिया है ।

*****